

PEOPLE'S UNIVERSITY



National Service Scheme



NOT ME, BUT YOU

About NSS:-

- The scheme was launched in Gandhiji's Centenary year-1969.
- Aimed at developing student's personality through community service.
- NSS is a voluntary association of young people in Colleges, Universities and at +2 level.
- The cardinal principle of the NSS programme is to get a sense of involvement in the task of Nation Building.
- Organized by the students and teachers through their combined participation in community service.

Objectives:-

- To enable the students to understand the community in which they work.
- To understand themselves in relation to their community.
- To identify the needs and problems of the community and the solution to them.
- To develop competence required for group living and sharing responsibilities.
- To acquire leadership qualities and democratic attitude.
- To encourage national integration and develop the capacity to meet emergencies and national disasters.

NSS Motto



- The motto or watchword of the National Service Scheme is 'NOT ME BUT YOU'.
- The aim of NSS is to demonstrate this motto in day-to-day programmes. 6

Regular Activities

- On Health Awareness.
- To Conduct Awareness and Personality Development Programmes.
- Awareness on Swach Bharath.
- Road Safety rules Awareness.
- Orientation Programmes.
- Environmental Awareness.

Social Activities



- NSS Special Camps conducted every year.
- To improve the students personality and make them to participate in social activities.
- To create health awareness.
- Eradication of social evils.
- Community service and development.
- To develop leadership qualities.

Extension Activities



- Village visit to aware people about cleanliness.

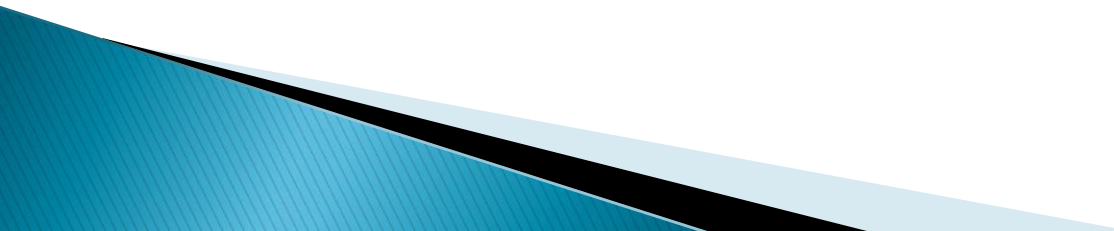
Environmental Activities



PEOPLE'S
UNIVERSITY



Swachhhta Diwas



Blood Grouping

मानवता की खातिर किया रक्तदान

सिटी रिपोर्टर »

हमें ईश्वर ने आंखें नहीं बखशी तो क्या, शारीरिक रूप से अपंग बनाया तो क्या हुआ, हमारे दिलों में मानवता दी है और हम इसी मानवता को बढ़ाने के लिए नगर, भोपाल, जून 14, 2018।



अपने मित्रों सहित रक्तदान किया। दो दिवसीय शिविर में रेडक्रॉस ब्लड बैंक की टीम द्वारा काफी सेवाभाव से सभी रक्तदाताओं का मार्गदर्शन एवं सहयोग किया। उधर विश्व रक्तदाता दिवस के मौके पर रेडक्रॉस सोसायटी ने दो दिवसीय शिविर का आयोजन किया। पहले दिन 47 यूनिट का रक्तदान हुआ जबकि दूसरे दिन दोपहर तक 53 लोगों ने रक्तदान किया। यहां शिविर के अलावा एक गोष्ठी का भी आयोजन किया गया।

के लिए रक्तदान करने आए हैं। कुछ ऐसा कहना था उन शारीरिक रूप से अक्षम लोगों का जो रेडक्रॉस हॉस्पिटल में रक्तदान करने पहुंचे। विश्व रक्तदाता दिवस (14 जून)के मौके पर इस दो दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन दैनिक भास्कर, गायत्री परिवार एवं रेडक्रॉस ने संयुक्त रूप से किया। गैसकांड में अपनी आंखों की रोशनी खो चुके विजय श्रीराम जोशी ने रक्तदान के उपरांत कहा कि स्वस्थ व्यक्ति को चाहिए कि वे रक्तदान करें। शारीरिक रूप से अक्षम प्रमोद बिसारिया ने रक्तदान के बाद कहा कि यह एक सामाजिक दायित्व है। साथ ही इससे मन को संतोष मिलता है।

रेडक्रॉस अस्पताल में आयोजित रक्तदान शिविर के दूसरे व अंतिम दिन सोमवार को सुबह से ही लोगों का आना शुरू हो गया था। इसमें लोगों ने अपने परिवार के सदस्यों, स्टूडेंट्स ने

मध्य प्रदेश एड्स कंट्रोल सोसायटी के डॉ. यूसी यादव ने गोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि रक्त का कोई विकल्प नहीं है। रक्तदान करने के बाद खून की पूर्ति जल्दी हो जाती है और शरीर में अतिरिक्त आक्सीजन का प्रवाह भी होने लगता है।

इसके पूर्व कार्यक्रम की शुरुआत भोपाल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष सुरेन्द्र नाथ सिंह ने की। कार्यक्रम में रेडक्रॉस राज्य शाखा के सचिव एनके शर्मा, चिकित्सक, कर्मचारी, सम्राट अशोक महाविद्यालय के प्राचार्य एवं छात्र आदि उपस्थित रहे।

वहीं मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ, गांधी चिकित्सा महाविद्यालय और हामीदिया चिकित्सालय के संयुक्त प्रयास से एक शिविर का आयोजन किया। शिविर में संगठन के तमाम पदाधिकारियों के अलावा तमाम कर्मचारी गण ने रक्तदान किया।



विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर कॉलेज विद्यार्थियों ने भी गजब का उत्साह दिखाया।



इमरजेंसी सेवा 108 की टीम ने रक्तदान शिविर में बढ़-चढ़ कर भाग लिया।

हम 108 इमरजेंसी टीम जीवन बचाने काम करते हैं और रक्तदान भी जीवन ही बचाता है। इस उद्देश्य से आज हमारी टीम ने रक्तदान किया।

-सुधाकर दुबे, इमरजेंसी सेवा 108, ऑपरेशन इंचार्ज भोपाल
विशाल ने चाहे कितनी उन्नति कर ली हो, मगर रक्त का कोई विकल्प आज भी नहीं है इसलिए हमें रक्तदान करना

चाहिए।

-विशाल राय, एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर

मेरे पिताजी कई बार रक्त दान कर चुके हैं, अतः उनसे प्रेरणा लेकर आज से रक्तदान की शुरुआत कर रही हूँ।

-निधि तिवारी, छात्रा कई दिनों से मन में था कि रक्तदान करना है, मगर उचित प्लेटफार्म की तलाश थी।

-अपूर्वा शर्मा, छात्रा

इन्होंने बढ़-चढ़ कर किया रक्तदान

पीपुल्स कॉलेज ऑफ रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी के 28 सदस्यों ने।

इमरजेंसी सेवा 108 (पैरामेडिकल स्टाफ) के 11 सदस्य।

मानसरोवर डेटल कॉलेज के 5 स्टूडेंट्स।

Dental checkup



Awareness Rally



Swachhata Pakhwada(2ND OCT.)





Fire And Safety day



Swachhata Pakhwada



Celebration of National Yoga Day



Awareness Rally



Blood Grouping



Environmental Activities



Dental checkup



Nasha Mukti Abhiyan



PEOPLE'S UNIVERSITY
Established by MP Act No. 18 of 2011 & approved U.S. (I) of UGC Act 1956
ISO 9001 : 2008 Certified

PEOPLE'S COLLEGE OF PARAMEDICAL SCIENCES & RESEARCH CENTRE
NEWS PAPER CLIPPING
(PCPS&RC LIBRARY)

NAME OF THE NEWS PAPER: पीपुल्स ख़ासख़ार PAGE NO. : 10
PRESS NOTE RELEASE DATE: 26/09/16 DAY: सोमवार
PROGRAMME: 24/09/2016 DATE: 26/09/16

एनएसएस दिवस पर पीपुल्स पैरामेडिकल कॉलेज ने चलाया नशामुक्ति अभियान

पीपुल्स ख़ासख़ार • सोमवार
edition@peoplesuniversity.ac.in

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) दिवस पर पीपुल्स कॉलेज ऑफ़ पैरामेडिकल साइंस के परामेडिकल छात्र एवं छात्रा छात्राई ने पंचायती शिवर कार्यक्रमों को शुरू करने के साथ ही विद्यार्थी कार्यक्रमों का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आई।एम.एस. 75 के पर्यटन अधिकारी विभागीय हैं। जो अपने शपथपत्र के अंतर्गत परामेडिकल हैं।

सामाजिक उत्थान के लिए नशामुक्ति अभियान को चलाया है। इन दिनों का जल संचयन में फैल रही नदी को स्वच्छ करके पीपुल्स कॉलेज ऑफ़ पैरामेडिकल साइंस की परामेडिकल छात्राई एवं पंचायती शिवर कार्यक्रमों के अंतर्गत परामेडिकल छात्राई ने भी कार्यक्रमों को चलाया है।



नशामुक्ति के लिए जागरूकता देती विद्यार्थी पीपुल्स पैरामेडिकल कॉलेज व आई।एम.एस. 75 छात्राई के साथ-साथ।

स्कूल के 110 बच्चों के अलावा महाविद्यालय के परामेडिकल छात्र छात्राई के 64 और परामेडिकल छात्र छात्राई के 79 विद्यार्थी मौजूद थे। विद्यार्थी एवं परामेडिकल के नशामुक्ति की अर्थोपत्ति पीपुल्स कॉलेज ऑफ़ पैरामेडिकल को चलाया है।

कार्य के बाद पर्यटन अधिकारी विभागीय ने परामेडिकल को चलाया है। इस दिवस में स्कूल एवं महाविद्यालय के छात्र एवं छात्राई ने परामेडिकल को चलाया है। नशामुक्ति की अर्थोपत्ति पीपुल्स कॉलेज ऑफ़ पैरामेडिकल को चलाया है।

छात्राई ने भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम के अंतर्गत परामेडिकल को चलाया है। इस दिवस में स्कूल एवं महाविद्यालय के छात्र एवं छात्राई ने परामेडिकल को चलाया है। नशामुक्ति की अर्थोपत्ति पीपुल्स कॉलेज ऑफ़ पैरामेडिकल को चलाया है।

विजेता हुए पुरस्कुत

कार्यक्रम के समापन में परामेडिकल छात्राई ने परामेडिकल छात्राई के लिए भी अभियान चलाया गया है। इस दिवस में स्कूल एवं महाविद्यालय के छात्र एवं छात्राई ने परामेडिकल को चलाया है। नशामुक्ति की अर्थोपत्ति पीपुल्स कॉलेज ऑफ़ पैरामेडिकल को चलाया है।

सनागम 'युवा-5' में रचनाओं का उदाया लुत्क

भोपाल। जीवन के अनुभव, आनंद और अनुभूतियों से भरी कविता-कहानियां को सुनने का सुखद आनंद, भावनाओं में परिवर्तन से शुरू हुए युवा रचनाशीलता पर केंद्रित सनागम 'युवा-5' में मिला। युवा रचनाकारों के विचारों के संसार में रची-बसी रचनाओं ने बोलाओं की अगुआ अनामिका शर्मा के अध्यक्षता में उपस्थित बरिष्ठ साहित्यकारों ने साहित्य के आने वाले भविष्य का अंकलन किया। कविता केंद्र वागसं की ओर से शुरू हुए इस कार्यक्रम में संस्कृति अधिकारी मनोज जीवारस ने कहा कि हमने नियम बनाया है कि जब भी भारत भवन में कोई कार्यक्रम होगा, उसमें 35 प्रतिशत तक युवाओं की भागीदारी होगी। हम इस नियम को जमान में रखना हुए ही विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करते हैं। हमें कभी युवा रचनाशीलता की भूमिकात्मक ही नहीं समझना चाहिए। हमसे हमें साहित्य में दो रहे बदलावों को जानने-संभव्य करने का अवसर मिलता है।

मकर संक्रांति पर पतंगों से सजा मेला परिसर

भोपाल। मकर संक्रांति के अवसर पर शहीनार, पत्तार मेदान में चल रहे भोपाल उत्सव में परिसर में पतंगबाजी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता शाम 4 बजे से 6 बजे संपन्न हुई। मेला परिसर में आयोजित भोपाल उत्सव पतंगबाजी प्रतियोगिता में राजधानी भोपाल के पतंगबाजी की 8 टीम शामिल हुईं। प्रतियोगिता संयोजक मेला समिति के सुनील जीतावन रहे। भोपाल उत्सव मेला समिति के उपाध्यक्ष राजेश जीतावन, अतुल और महामंत्री संतोष अग्रवाल ने बताया कि प्रतियोगिता में तीन किस्मों की पतंगें प्रदर्शित की गईं। प्रथम किस्म की पतंगें 2100 रुपये और दूसरी की 1100 रुपये की नगद राशि प्रदान की गई।

पीपुल्स पैरामेडिकल की एनएसएस इकाई का सड़क सुरक्षा सप्ताह दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का उपयोग जरूर करें



दो पहिया वाहन चालकों को टैफिक नियमों की जानकारी देते पीपुल्स पैरामेडिकल की एनएसएस इकाई के छात्र।

पीपुल्स समाचार • भोपाल
editor@peoplesamachar.co.in

सड़क सुरक्षा सप्ताह के मौके पर पीपुल्स कॉलेज ऑफ पैरामेडिकल साइंस की एनएसएस यूनिट ने शनिवार को करीब चौराहे पर यातायात पुलिस के साथ जागरूकता अभियान चलाया। करीब चौराहा पर एनएसएस यूनिट ने टैफिक पुलिस के द्वारा प्रदान किए गए बैनर को प्रदर्शित किया और लोगों के साथ प्लेकार्ड एवं पामलेट के द्वारा रोड सेफ्टी की जानकारी दी। प्लेकार्ड पर हेलमेट तथा सीटबेल्ट के महत्व को प्रस्तुत किया।

एनएसएस छात्र एवं छात्रा इकाईयों ने मोमोगिरी द्वारा लोगों से निवेदन किया कि दोपहिया वाहन चलाने समय हेलमेट का उपयोग करें और टॉफी देकर कहा कि ये आपके परिवार व बच्चों के लिए है, जो घर पर आपका ईंतजार कर रहे हैं, सुरक्षित गाड़ी चलाएं और वह टॉफी उन तक पहुंचाएं। कुछ लोगों के पास हेलमेट होते हुए भी नहीं लगाए मिलने पर छात्रों ने उन वाहन चालकों से निवेदन किया कि हेलमेट पहनें। निरस चालकों ने हेलमेट या बेल्टस्टीट लगाया था, उनका खयाल किया।



पीपुल्स कॉलेज के छात्र करीब चौराहे पर पंपलेट बांटकर जागरूकता अभियान चलाया।

महाविद्यालय परिसर में नाद-विवाद, संवाद संगोष्ठी

कार्यक्रम का संवाहन पीसीपीएस एनएसएस के नोडल अधिकारी डॉ. विवेक श्रीवास्तव व अनुराधा कुरावाह ने डिपार्टमेंटल स्तर के साथ प्रभारी एनएसएस जॉइंट के सहयोग से किया गया। इस कार्यक्रम की मेजबानी में इसी सप्ताह पीपुल्स कॉलेज ऑफ पैरामेडिकल साइंसेस के एनएसएस इकाई ने राष्ट्रीय युवा दिवस पर यातायात पुलिस के सहयोग से कैप्टन अश्वरीश शर्मा डायरेक्टर पीपुल्स युव एस डॉ. रमन सिंह सिकंदर के मुख्य अतिथि में युवा वर्ग के लिए यातायात सुरक्षा सप्ताह पर विशेष रोमीनार भी आयोजित किया। महाविद्यालय परिसर में एनएसएस व रेड रिबन सोसाइटी के संमिलित सहयोग से नाद-विवाद, संवाद संगोष्ठी (पोस्टर) प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया।

**Thank
You**

